Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

D 9 1 1 5

PAPER - III
PRAKRIT

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 150**

Number of Pages in this Booklet : **24**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

PRAKRIT

PAPER - III

Note : This paper contains seventy five (75) objective type questions of two (2) marks each. All questions are compulsory.

1. The word Sārasaḥ changes into Māgadhī as :

(1) Śālaśe (2) Śālase (3) Sāriso (4) Sālaso

2. Māgadhī is the language of this region :

(1) Eastern (2) Southern (3) Western (4) North-Western

3. This is the main feature of Māgadhī :

(1) C becoming ț (2) Ś becoming S (3) Ș becoming Ś (4) g becoming k

4. This character speaks Māgadhī in dramas :

(1) Queen (2) King (3) Jester (4) Fisherman

5. Māgadhī has the closest relation with this Prakrit :

(1) Gāndhārī (2) Śaurasenī (3) Paiśacī (4) Mahārāṣṭrī

6. This is considered to be the earliest Prakrit :

(1) Literary Prakrit (2) Inscriptional Prakrit

(3) Dramatic Prakrit (4) Apabhraṃśa

7. This is the earliest available text in Mahārāṣṭrī Prakrit :

(1) Uvāsagadasāo (2) Rayaṇāvalī (3) Gauḍavaho (4) Gāhā-Sattasaī

प्राकृत

प्रश्न-पत्र - III

नोट : इस प्रश्न-पत्र में **पचहत्तर** (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

1. सारस: शब्द का मागधी में इस प्रकार परिवर्तन होता है :

   (1) शालशे (2) शालसे (3) सारिसो (4) सालसो

2. मागधी इस क्षेत्र की भाषा है :

   (1) पूर्वी (2) दक्षिणी (3) पश्चिमी (4) उत्तर-पश्चिमी

3. यह मागधी की मुख्य विशेषता है :

   (1) च के स्थान पर ट (2) श के स्थान पर स (3) ष के स्थान पर श (4) ग के स्थान पर क

4. नाटकों में यह पात्र मागधी बोलता है :

   (1) रानी (2) राजा (3) विदूषक (4) धीवर

5. मागधी के साथ इस प्राकृत का निकटतम संबंध है :

   (1) गान्धारी (2) शौरसेनी (3) पैशाची (4) महाराष्ट्री

6. यह प्रथमयुगीन प्राकृत के रूप में मानित है :

   (1) साहित्यिक प्राकृत (2) अभिलेखीय प्राकृत

   (3) नाटकीय प्राकृत (4) अपभ्रंश

7. यह उपलब्ध प्राचीनतम महाराष्ट्री प्राकृत का ग्रंथ है :

   (1) उवासगदसाओ (2) रयणावली (3) गउडवहो (4) गाहा-सत्तसई

8. This is known to be the period of Aśokan Inscriptions :

(1) Third century BC (2) Second century BC

(3) Fifth century BC (4) Third century CE

9. This example does not stand, for 'dhya' becoming 'jha' :

(1) Viṃjho (2) nijjharo (3) Saṃjhā (4) Sijjhai

10. This is an example of Quantitative change :

(1) mālā (2) pāsai (3) sāhā (4) muṇai

11. This is an example of Qualitative change :

(1) Sejjā (2) atthi (3) Kajjaṃ (4) Sagaḍaṃ

12. This would be the Māgadhī form of the word Savvaṇṇū :

(1) savvajje (2) savvajjo (3) śavvañño (4) śavvayyo

13. The word ārdra is changed into Prakrit as :

(1) ādda (2) agga (3) rudra (4) alla

14. Elision of initial vowels occurs in this word :

(1) sippī (2) raṇṇaṃ (3) moṇḍam (4) rañño

15. The word 'Mahārāṣṭra' is changed into Mahārāṣṭrī Prakrit is :

(1) mahāraṭṭha (2) maharaṭṭho (3) marahaṭṭha (4) marāṭhā

16. Intervocalīc ṭ changing into ḍ, is the example of :

(1) paḍai (2) ghaḍei (3) maṇḍai (4) ḍāho

8. अशोक के अभिलेखों का समय यह जाना जाता है :

(1) ई.पू. तृतीय शताब्दी (2) ई.पू. द्वितीय शताब्दी

(3) ई.पू. पंचम शताब्दी (4) ईस्वी सन् तृतीय शताब्दी

9. यह उदाहरण 'ध्य' के स्थान पर 'झ' नहीं होने का है :

(1) विंझो (2) निज्झरो (3) संझा (4) सिज्झइ

10. यह मात्रात्मक परिवर्तन का उदाहरण है :

(1) माला (2) पासई (3) साहा (4) मुणइ

11. यह गुणात्मक परिवर्तन का उदाहरण है :

(1) सेज्जा (2) अत्थि (3) कज्जं (4) सगडं

12. 'सव्वण्णू' यह पद का मागधी में यह रूप होता है :

(1) सव्वज्जे (2) सव्वज्जो (3) शव्वञ्ञू (4) शव्वय्यो

13. आर्द्र शब्द का प्राकृत में यह परिवर्तन होता है :

(1) आद्द (2) अग्ग (3) रुद्र (4) अल्ल

14. इस शब्द में आदि स्वर का लोप होता है :

(1) सिप्पी (2) रण्णं (3) मोण्डं (4) रञ्ञा

15. 'महाराष्ट्र शब्द का महाराष्ट्री प्राकृत में इस प्रकार परिवर्तन होता है :

(1) महारट्ठ (2) महरट्ठो (3) मरहट्ठ (4) मराठा

16. स्वरमध्यवर्ती ट का ड होने का उदाहरण यह है :

(1) पडइ (2) घडेइ (3) मण्डइ (4) डाहो

17. This is the rule of Sandhi in Prakrit :

(1) u + i = vi (2) i + a = ya (3) a + i = e (4) ai + e = ay

18. Total number of the chapters in the Vivāgasuyaṃ is :

(1) 12 (2) 16 (3) 20 (4) 22

19. ''भगवं च णं अद्धमागहीए भासाए धम्ममाइक्खइ''

This statement is mentioned in this text :

(1) Āyārō (2) Ṭhaṇānga (3) Samavāyāṅga (4) Bhagavaī

20. Read the name of the following text and identify the correct code answer of Ardhamagadhi texts :

(a) Uṭṭarajjhayaṇasuṭṭaṃ

(b) Bhagavati Aradhana

(c) Paṇcaṭṭhikāya

(d) Vivāgasuyaṃ

(e) Āyārō

(f) Rayaṇasāra

Code :

(1) (a), (e), (f) (2) (a), (d), (e) (3) (b), (e), (c) (4) (c), (d), (e)

21. The word ṆĀYĀ, used in the title Ṇāyādhammakahā, is related to :

(1) Nāva (2) Nātha (3) Vaṃśa (4) Nāma

22. The subject matter of Kasāyapāhuḍa is based on this old Prakrit Āgama :

(1) Bhagavaī (2) Paṇṇavaṇā (3) Dasaveāliyaṃ (4) Diṭṭhivāō

17. प्राकृत में संधि का नियम यह है :

(1) उ + इ = वि (2) इ + अ = य (3) अ + इ = ए (4) ऐ + ए = अय

18. विवागसुयं आगम में अध्ययनों की कुल संख्या है :

(1) 12 (2) 16 (3) 20 (4) 22

19. ''भगवं च णं अद्धमागहीए भासाए धम्ममाइक्खइ''

यह वाक्य इस ग्रन्थ में उल्लिखित हैं :

(1) आयारो (2) ठाणांग (3) समवायांग (4) भगवई

20. अधोलिखित ग्रन्थों के नाम पढ़िए और कूट में से अर्द्धमागधी ग्रन्थों के **सही** कूट उत्तर को पहचानिए :

(a) उत्तरज्झयणसुत्तं

(b) भगवती आराधना

(c) पंचत्थिकाय

(d) विवागसुयं

(e) आयारो

(f) रयणसार

कूट :

(1) (a), (e), (f) (2) (a), (d), (e) (3) (b), (e), (c) (4) (c), (d), (e)

21. णायाधम्मकहा शीर्षक में प्रयुक्त 'णाया' शब्द का सम्बन्ध इससे है :

(1) नाव (2) नाथ (3) वंश (4) नाम

22. कसायपाहुड का विषय इस प्राचीन प्राकृत आगम ग्रन्थ पर आधारित है :

(1) भगवई (2) पण्णवणा (3) दसवेआलियं (4) दिट्ठिवाओ

23. This chapter of Āyārō describes the Penance of Mahavira :

(1) Satthapariṇṇā (2) Lōkavicaya (3) Uvahāṇasuyaṃ (4) Ithipariṇṇa

24. Identify the correct pair :

(1) Pātaliputra - Ārya Skandila (2) Mathurā - Sthūlabhadrācārya

(3) Pātaliputra - Nāgārjuna (4) Valabhī - Devardhigaṇi Kśamāśramaṇa

25. Read I and II units for correct match :

	Unit - I		Unit - II
(a)	Kaṭṭigeyāṇuvekkhā	(i)	Epic
(b)	Gaudavahō	(ii)	Upaṅga Canon
(c)	Tilōyapaṇṇaṭṭi	(iii)	Swami Samantabhadra
(d)	Jīvājīvabhigama	(iv)	Yativṛṣabha

Identify the correct match.

(1) (a) + (iii) (2) (b) + (ii) (3) (c) + (iv) (4) (d) + (i)

26. Setubandha text is divided into :

(1) Āśvāsa (2) Kulaka (3) Uddeśaka (4) Sarga

27. The author of Uṣāniruddha is :

(1) Abhayadeo (2) Āmradeo (3) Jayavallabha (4) Ramapāṇivāda

28. This statement is not true with reference to Gauḍavahō :

(1) This is divided into Kulakas. (2) This is an epic.

(3) This text has written by Vakpatirāja (4) It's language is Māgadhī Prakrit

29. The author of Prakrit Champūkāvya is :

(1) Yaśōvijay (2) Saṅghadāsagaṇi (3) Udyōtanasūri (4) Haribhadrasūri

23. महावीर की तपस्या का वर्णन आयारो के इस अध्ययन में है :

(1) सत्थपरिण्णा (2) लोकविचय (3) उवहाणसुयं (4) इत्थिपरिण्णा

24. **सही** युग्म को पहचानिये :

(1) पाटलिपुत्र - आर्यस्कन्दिल (2) मथुरा - स्थूलभद्राचार्य

(3) पाटलिपुत्र - नागार्जुन (4) वलभी - देवर्धिगणि क्षमाश्रमण

25. प्रथम तथा द्वितीय इकाइयों के **सही** मिलान के लिए पढ़ें :

	इकाई - I		**इकाई** - II
(a)	कत्तिगेयाणुवेक्खा	(i)	महाकाव्य
(b)	गउडवहो	(ii)	उपांग आगम
(c)	तिलोयपण्णत्ति	(iii)	स्वामी समन्तभद्र
(d)	जीवाजीवाभिगम	(iv)	यतिवृषभ

सही उत्तर पहचानिए :

(1) (a) + (iii) (2) (b) + (ii) (3) (c) + (iv) (4) (d) + (i)

26. सेतुबन्ध ग्रन्थ इसमें विभाजित है :

(1) आश्वास (2) कुलक (3) उद्देशक (4) सर्ग

27. ''उषानिरुद्ध'' के लेखक हैं :

(1) अभयदेव (2) आम्रदेव (3) जयवल्लभ (4) रामपाणिवाद

28. गउडवहो के संदर्भ में यह कथन सही **नहीं** है :

(1) यह कुलकों में विभक्त है। (2) यह एक महाकाव्य है।

(3) यह वाक्पतिराज द्वारा लिखा गया है। (4) इसकी भाषा मागधी प्राकृत है।

29. प्राकृत चम्पूकाव्य के रचनाकार हैं :

(1) यशोविजय (2) संघदासगणि (3) उद्योतनसूरि (4) हरिभद्रसूरि

30. This statement is not true :

(1) Paumacariyaṃ is the story on Rama.

(2) Vimalasūri is the author of Paumacariyaṃ.

(3) Maharaṣṭrī Prakrit is the language of Paumacariyaṃ.

(4) The Period of Paumacariyaṃ is 9th Century (CE).

31. Jinchandra is the author of this work :

(1) Rayaṇacūdarāya Cariyaṁ (2) Saṁvegaraṅgaśālā

(3) Sirisirivālakahā (4) Susaḍhakahā

32. This is the name of main character in Dhūrtākhyāna :

(1) Suloyaṇa (2) Khamāvaṇa (3) Khaṇḍapānā (4) Chandalehā

33. The hero of Karpūramaṅjari is _____.

(1) Caṇḍapāla (2) Duṣyanta (3) Ashoka (4) Chārudatta

34. 'Nivvodḥu hoi dukkaraṁ kavvakahā' line occures in this work :

(1) Gāhāsattasai (2) Kuvalayamālākahā

(3) Setubandha (4) Davyasaṁgaho

35. The Literary form of the Setubandha is :

(1) Muktakakāvya (2) Saṭṭaka (3) Mahākāvya (4) Nātaka

36. This statement is not true :

(1) Setubandha is a Mahākāvya

(2) Karpuramaṅjari is a Prahasana

(3) Mṛcchakatikam is written by Śudraka

(4) Rāmapānivāda is the author of Kaṅsavaho

30. यह कथन सत्य **नहीं** है :

(1) पउमचरियं रामकथा है।

(2) पउमचरियं के लेखक विमलसूरि हैं।

(3) पउमचरियं की भाषा महाराष्ट्री प्राकृत है।

(4) पउमचरियं का समय 9 वीं शताब्दी है।

31. इस ग्रन्थ का लेखक जिनचन्द्र है :

(1) रयणचूडराय चरियं (2) संवेगरंगशाला

(3) सिरिसिरिवालकहा (4) सुसढ़कहा

32. धूर्ताख्यान में प्रमुख पात्र का नाम यह है :

(1) सुलोयणा (2) खमावणा (3) खण्डपाना (4) चन्दलेहा

33. कर्पूरमंजरी का नायक है :

(1) चण्डपाल (2) दुष्यन्त (3) अशोक (4) चारुदत्त

34. 'निव्वोढु होई दुक्करं कव्वकहा' पंक्ति इस ग्रन्थ में प्राप्त है :

(1) गाहासत्तसइ (2) कुवलयमालाकहा

(3) सेतुबन्ध (4) दव्यसंगहो

35. सेतुबन्ध का काव्यात्मक स्वरूप यह है :

(1) मुक्तककाव्य (2) सट्टक (3) महाकाव्य (4) नाटक

36. यह कथन सत्य **नहीं** है :

(1) सेतुबन्ध महाकाव्य है।

(2) कर्पूरमंजरी प्रहसन है।

(3) मृच्छकटिकम् शूद्रक द्वारा लिखित है।

(4) रामपाणिवाद कंसवहो के लेखक हैं।

37. One book is named on the basis of claycart, as _____.

(1) Kāṣṭhaśakatikaṃ (2) Svarṇaśakatikaṃ (3) Mṛcchakatikaṃ (4) Lohaśakatikaṃ

38. This is the Prakrit work of Udyotanasūri :

(1) Lilāvaikahā (2) Kuvalayamālākahā

(3) Kummāputtacariyaṁ (4) Siripāsanāhacariyaṁ

39. The Karpūramaṅjari was composed in this century :

(1) Sixth (2) Eighth (3) Tenth (4) Thirteenth

40. 'Kavvaṁjjeva Kaviṭṭaṇaṁ pisuṇedi' statement used by :

(1) Radanikā (2) Kapiṇjala (3) Maitreya (4) Vicakṣaṇā

41. Ānandasundari is written by :

(1) Ghanśyāma (2) Rajaśekhara (3) Markandeya (4) Śudraka

42. The place of composition of the Kuvalayamālākahā is :

(1) Jesalmer (2) Jaipur (3) Jalore (4) Jammu

43. The main event of the sixth act of the Mṛcchakatikam is :

(1) Changing the Ornaments

(2) Changing the Cart

(3) Description of House of Vasantasena

(4) Rainy Season

37. मिट्टी की गाड़ी के आधार पर एक ग्रन्थ का यह नामकरण हुआ है :

(1) काष्ठशकटिकम् (2) स्वर्णशकटिकम् (3) मृच्छकटिकम् (4) लोहशकटिकम्

38. उद्योतनसूरि का यह प्राकृत ग्रन्थ है :

(1) लीलावइकहा (2) कुवलयमालाकहा

(3) कुम्मापुत्तचरियं (4) सिरिपासनाहचरियं

39. कर्पूरमंजरी की इस शताब्दी में रचना हुई थी :

(1) छठी (2) आठवीं (3) दसवीं (4) तेरहवीं

40. 'कव्वंज्जेव कवित्तनं पिसुनेदि' यह कथन इसका है :

(1) रदनिका (2) कपिंजल (3) मैत्रेय (4) विचक्षणा

41. आनन्दसुन्दरी इनके द्वारा लिखित है :

(1) घनश्याम (2) राजशेखर (3) मार्कण्डेय (4) शूद्रक

42. कुवलयमालाकहा की रचना इस स्थान पर हुई थी :

(1) जेसलमेर (2) जयपुर (3) जालोर (4) जम्मु

43. मृच्छकटिकम् के छठे अंक की प्रमुख घटना है :

(1) आभूषण बदल जाना

(2) गाड़ी बदल जाना

(3) वसन्तसेना के गृह का वर्णन

(4) वर्षा ऋतु

44. 'Ummūlanteṇa dumaṃ pāroho vva Khudio Mahendassa jaso' this portion of verse occurs in this work :

(1) Ṇāyakumāracariu (2) Setubandha

(3) Kuvalayamālākahā (4) Karpūramaṅjarī

45. Śūdraka is the author of this work :

(1) Mudrārākṣasa (2) Rambhāmanjari

(3) Gyānasūryodaya (4) Mṛcchakatikaṁ

46. 'eśā ṇāṇakamūśikāmakaśikā' line occurs in this work :

(1) Karpūramaṅjari (2) Mṛcchakatikam (3) Kuvalayamālākahā (4) Pravachanasāra

47. ''Kiṃ Acchadha Vīsaddhā jo so Govāladārao baddho bhettūṇa samaṃ vaccai''above statement is found in this work :

(1) Rambhāmañjari (2) Karpūrvamañjari

(3) Abhijñanaśakuntalam (4) Mṛcchakatikaṃ

48. The most important work of the Prakrit metrics is :

(1) Ākhyānamaṇikosa (2) Alaṅkāradappaṇa

(3) Sāhityadarpaṇa (4) Prakrit paiṅgalam

49. 'Vṛittajāti samuccaya' is written by :

(1) Devasena (2) Virahāṅka (3) Yativriṣabha (4) Siddhasena

50. Read Units - I and II for correct match :

	I		II
(a)	Rayaṇāvalī	(i)	Singhrāja
(b)	Vṛittajātisamuccaya	(ii)	Nanditāḍhya
(c)	Gahā lakkhaṇa	(iii)	Virahaṅka
(d)	Prākritrūpāvatāra	(iv)	Hemachandra

Identify the correct answer :

(1) (a) + (iv) (2) (b) + (i) (3) (c) + (iii) (4) (d) + (ii)

44. 'उम्मूलन्तेण दुमं पारोहो व्व खुडिओ महेन्दस्स जसो' यह गाथांश इस ग्रन्थ में है :

(1) णायकुमारचरिउ (2) सेतुबन्ध

(3) कुवलयमालाकहा (4) कर्पूरमंजरी

45. शूद्रक इस ग्रन्थ के लेखक हैं :

(1) मुद्राराक्षस (2) रम्भामंजरी

(3) ज्ञानसूर्योदय (4) मृच्छकटिकं

46. 'एशा णाणकमूशिकामकशिका' यह पंक्ति इस ग्रन्थ में है :

(1) कर्पूरमंजरी (2) मृच्छकटिकम् (3) कुवलयमालाकहा (4) प्रवचनसार

47. 'किं अच्छध वीसद्धा जो सो गोवालदारओ बद्धो भेत्तूण समं वच्चइ' यह कथन इस ग्रन्थ में प्राप्त है :

(1) रम्भामंजरी (2) कर्पूरमंजरी

(3) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4) मृच्छकटिकम्

48. प्राकृत छन्दशास्त्र का महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ है :

(1) आख्यानमणिकोस (2) अलङ्कारदप्पण

(3) साहित्यदर्पण (4) प्राकृतपैंगलम्

49. 'वृत्तजाति समुच्चय' इनके द्वारा लिखा गया है :

(1) देवसेन (2) विरहांक (3) यतिवृषभ (4) सिद्धसेन

50. प्रथम और द्वितीय तालिकाओं का **सही** मिलान करें :

I		II	
(a)	रयणावली	(i)	सिंहराज
(b)	वृत्तजातिसमुच्चय	(ii)	नन्दिताढ्य
(c)	गाहालक्खण	(iii)	विरहांक
(d)	प्राकृतरूपावतार	(iv)	हेमचन्द्र

सही उत्तर की पहिचान करें :

(1) (a) + (iv) (2) (b) + (i) (3) (c) + (iii) (4) (d) + (ii)

51. The main subject matter of Rayaṇāvalī is :

(1) Vyākaraṇa (2) Chaṅda (3) Kośa (4) Alaṅkār

52. The theme of 'Prakrit - Paiṅgalam' is :

(1) Kavya-śāstra (2) Nātya-śāstra (3) Kośavijñāna (4) Chanda-śāstra

53. The subject matter of Gahālakkhaṇa is :

(1) Vyākaraṇa (2) Chanda (3) Kośa (4) Nāṭya

54. The writer of Pāiyalacchīnāmamālā is :

(1) Dhammapal (2) Dhanapal (3) Jinabhadra (4) Nandiṣeṇa

55. The number of the chapters in the text Rayaṇāvali is :

(1) Eight (2) Seven (3) Six (4) Five

56. The word 'Pādesik' is found in this Ashoka's Inscription of Girnar :

(1) Fourth Inscription (2) Seventh Inscription

(3) Third Inscription (4) Fifth Inscription

57. The main subject matter of Hathigumpha Inscription is :

(1) Philosophy (2) Welfare of State

(3) Economics (4) Journey of other Countries

58. The Language of Girnar Inscriptions is called :

(1) Sanskrit (2) Pali (3) Prakrit (4) Gujarati

59. 'Pasu-Cikīchā' is mentioned in this Ashokan Girnar inscription :

(1) Eighth (2) Fourth (3) Second (4) Twelfth

51. रयणावली का मुख्य विषय है :

(1) व्याकरण (2) छन्द (3) कोश (4) अलंकार

52. 'प्राकृतपैंगलम्' का वर्ण्य-विषय है :

(1) काव्यशास्त्र (2) नाट्यशास्त्र (3) कोशविज्ञान (4) छन्दशास्त्र

53. गाहालक्खण का वर्ण्य-विषय है :

(1) व्याकरण (2) छन्द (3) कोश (4) नाट्य

54. पाइयलच्छीनाममाला के लेखक हैं :

(1) धम्मपाल (2) धनपाल (3) जिनभद्र (4) नन्दिषेण

55. रयणावली ग्रन्थ में अध्यायों की इतनी संख्या है :

(1) आठ (2) सात (3) छह (4) पाँच

56. 'पादेसिक' शब्द गिरनार के इस अशोक के शिलालेख में उपलब्ध है :

(1) चतुर्थ शिलालेख (2) सप्तम शिलालेख

(3) तृतीय शिलालेख (4) पंचम शिलालेख

57. हाथीगुम्फा शिलालेख का प्रमुख वर्ण्य विषय यह है :

(1) दर्शनशास्त्र (2) प्रजाहित के कार्य

(3) अर्थशास्त्र (4) अन्य देशों का भ्रमण

58. गिरनार-शिलालेखों की भाषा यह कही गई है :

(1) संस्कृत (2) पालि (3) प्राकृत (4) गुजराती

59. 'पसु-चिकीछा' अशोक के इस गिरनार शिलालेख में उल्लिखित है :

(1) आठवें (2) चौथे (3) दूसरे (4) बारहवें

60. Find out the name of the dynasty of Mahameghavahan Khāravel :

(1) Mourya (2) Gupta (3) Chauhan (4) Cheti

61. This was the aim of Emperor Aśoka to inscribe the Girnar Inscriptions :

(1) To propagate the duties (2) Extension of the Kingdom

(3) To propagate self fame (4) Popularizing writing skill

62. The word 'Dwe Chikeechha' is found in this Girnar Inscription :

(1) Fourth Inscription (2) Seventh Inscription

(3) Fifth Inscription (4) Second Inscription

63. The number of Girnar Inscriptions of Emperor Aśoka is :

(1) Fifteen (2) Thirteen (3) Ten (4) Fourteen

64. Ṇayakaṅḍayaṁ, Jīvakaṅḍayaṁ, Aṇegaṅtakaṅḍayaṁ are incorporated in this book :

(1) Nyāyāvatāra (2) Nayacakra

(3) Anekāntajayapatākā (4) Sanmatitarkprakaraṇa

65. According to Pravacanasāra the substance having touch-taste-smell-colour-sound is :

(1) Devo (2) Ariho (3) Siddho (4) Puggala

66. 'Savvesiṁ jīviyaṁ piyaṁ' is taken from this Āgama Sūtra :

(1) Samavāyāṅga (2) Ṭhāṇāṅga (3) Ācāraṅga (4) Sūyagaḍāṅga

60. महामेघवाहन खारवेल के राजवंश का नाम यह है :

(1) मौर्य (2) गुप्त (3) चौहान (4) चेति

61. सम्राट अशोक का गिरनार-शिलालेख लिखाने का उद्देश्य यह था :

(1) कर्त्तव्यनिर्देश (2) राज्यविस्तार

(3) आत्मचरित प्रचार (4) लेखन कला प्रचार

62. गिरनार के इस शिलालेख में 'द्वे चिकीछा' का उल्लेख हुआ है :

(1) चतुर्थ शिलालेख (2) सप्तम शिलालेख

(3) पंचम शिलालेख (4) द्वितीय शिलालेख

63. सम्राट अशोक के गिरनार-शिलालेखों की संख्या है :

(1) पन्द्रह (2) तेरह (3) दस (4) चौदह

64. णयकंडयं, जीवकंडयं, अणेगंतकंडयं ये इस ग्रन्थ में समाहित हैं :

(1) न्यायावतार (2) नयचक्र

(3) अनेकान्तजयपताका (4) सन्मतितर्कप्रकरण

65. प्रवचनसार के अनुसार स्पर्श-रस-गन्ध-वर्ण-शब्दवान् द्रव्य यह है :

(1) देवो (2) अरिहो (3) सिद्धो (4) पुग्गल

66. 'सव्वेसिं जीवियं पियं' इस आगम सूत्र से उद्धृत है :

(1) समवायांग (2) ठाणांग (3) आचारांग (4) सूयगडंग

67. The first chapter of the first śrutaskandha of Acāraṅga Sūtra is called :

(1) Sīosaṇijja (2) Satthapariṇṇā

(3) Dhuya (4) Sammatta

68. Between these two the dialogue took place in twenty third chapter of Uttarādhyayana Sūtra :

(1) Rajul and Nemi (2) Mahaveer and Gautam

(3) Kapil and Gautam (4) Keshi and Gautam

69. In Uttarādhyayana Sūtra

''Bhavataṇhā layā vuttā'' statement was given by :

(1) Keshikumar (2) Gautama (3) Indra (4) Namiraja

70. ''Khaṇaṁ jāṇāhi paṅdie'' this statement of Acārāṅga is quoted from this chapter :

(1) Logvijaya (2) Satthapariṇṇa

(3) Upadhāna (4) Mahaparijñā

71. ''Ṇatthi Kālassa ṇāgamo'' in this statement of Ācāraṅga the word 'Kāla' means :

(1) Substance (2) Time (3) Birth (4) Death

72. Prakrit Mūlasūtra is divided into :

(1) Six (2) Four (3) Ten (4) Eleven

67. आचाराङ्ग सूत्र के प्रथम श्रुतस्कन्ध के प्रथम अध्ययन को कहते हैं :

(1) सीओसणिज्ज (2) सत्थपरिण्णा

(3) धुय (4) सम्मत्त

68. उत्तराध्ययन सूत्र के तेबीसवें अध्ययन में इन दोनों का संवाद वर्णित है :

(1) राजुल - नेमि (2) महावीर-गौतम

(3) कपिल-गौतम (4) केशी-गौतम

69. उत्तराध्ययन सूत्र में

''भवतण्हा लया वुत्ता'' यह कथन इसने कहा :

(1) केशीकुमार (2) गौतम (3) इन्द्र (4) नमिराजा

70. ''खणं जाणाहि पंडिए'' आचारांग का यह कथन इस अध्ययन से उद्धृत है :

(1) लोगविजय (2) सत्थपरिण्णा

(3) उपधान (4) महापरिज्ञा

71. 'णत्थि कालस्स णागमो' आचारांग के इस कथन में 'काल' शब्द का यह अर्थ है :

(1) द्रव्य (2) समय (3) जन्म (4) मृत्यु

72. प्राकृत मूलसूत्र इन भागों में विभक्त हैं :

(1) छह (2) चार (3) दश (4) ग्यारह

73. Read Units - I and II for correct match and choose the correct answer :

	Unit - I		Unit - II
(a)	Paṇhavāgaraṇāiṁ	(i)	Chedasutta
(b)	Vaṇhidasāo	(ii)	Paiṇṇaga
(c)	Dasāsuyakkhaṁdha	(iii)	Upāṅga
(d)	Saṁthāraka	(iv)	Aṅga-Agama

Codes :

(1) (a) + (i) (2) (b) + (iv) (3) (c) + (iii) (4) (d) + (ii)

74. According to Dravyasaṁgraha the substance 'Kāla' is included in this category :

(1) Jīva (2) Ajīva (3) Puṇya (4) Pāpa

75. The meaning of Prakrit word 'Ukkhala' is similar to this Hindi word :

(1) Uthalā (2) Utkala (3) Okhali (4) Unnata

- o 0 o -

73. प्रथम तथा द्वितीय सूचियों का **सही** मिलान कीजिए और **सही** उत्तर का चुनाव कीजिए :

	सूचि - I		**सूचि** - II
(a)	पण्हवागरणाइं	(i)	छेदसुत्त
(b)	वण्हिदसाओ	(ii)	पइण्णग
(c)	दसासुयक्खंध	(iii)	उपांग
(d)	संथारक	(iv)	अंग-आगम

कूट :

(1) (a) + (i) (2) (b) + (iv) (3) (c) + (iii) (4) (d) + (ii)

74. द्रव्यसंग्रह के अनुसार 'काल' द्रव्य का अन्तर्भाव इस श्रेणी में होता है :

(1) जीव (2) अजीव (3) पुण्य (4) पाप

75. प्राकृत के 'उक्खल' शब्द का अर्थ हिन्दी के इस शब्द के समान है :

(1) उथला (2) उत्कल (3) ओखली (4) उन्नत

- o 0 o -

Space For Rough Work